दर्शन देदो मेरे राम | by Divyashakti

दर्शन देदो मेरे राम
बैठी सुबह से हो गई शाम
तेरी मन में जलाई है ज्योत सबरी
तुम ही हो मेरे भगवान
तुम बिन सूना है जहान
तेरी मन में जलाई है ज्योत सबरी
दर्शन देदो मेरे राम.....

तारा अहिल्या हुई पत्थर से नारी
बैठी निहारे राह सबरी बेचारी
मेरे बना दो बिगड़े काम
जाऊं तेरे ही मैं धाम
अँखियाँ बरसी है बनकर के मेरी बद्री
दर्शन देदो मेरे राम.....

तुम बिन कोई नहीं अपना सहारा
मझधार डूबी दासी तुम हो किनारा
करती हूँ तेरा गुणगान
बेडा पार करो हे राम
अब तो आओ आ जाओ हमारी नगरी
दर्शन देदो मेरे राम.....

मीठे फल तुमको मैं हाथ से खिलाऊंगी
पलकों की छाँव अपने राम को बिठाउंगी
तुम धरती तुम आसमान
निर्मल लिखता विरह विहान
अब तो छलके है भक्ति से भरके गगरी
दर्शन देदो मेरे राम.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6%e0%a4%a8-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%a6%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-divyashakti/